

कारक:

"क्रियान्तर्मी कारक!" अर्थात् क्रिया के साधन जिसका साक्षात् सम्बन्ध होता है, उसे कारक कहते हैं।

कारक के सामान्यतः आठ भेद होते हैं।

1. कर्ता कारक - क्रिया करने में जो स्वतंत्र होता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं, तथा कर्ता कारक में प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है, तथा कर्ता कारक में प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है।

प्रथा - राम पढ़ता है - रामः पठति।

2. कर्म कारक - क्रिया का फल जिस पर पड़ता है, अर्थात् कर्ता क्रिया करने में जिसे चाहता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्म कारक में द्वितीया विभक्ति का प्रयोग होता है। प्रथा -

राम पुस्तक पढ़ता है - रामः पुस्तकं पठति।

राम ने रावण को मारा - रामः रावणं हतवान्।

3. करण कारक - कर्ता को क्रिया करने में जो सहाय होता है, उसे करण कारक कहते हैं, तथा करण कारक में तृतीया विभक्ति का प्रयोग होता है। प्रथा - राम ने रावण को वाण से मारा।

रामः रावणं वाणेन अहन् (हतवान्)

किसान हल से खेत जोतता है।

कृषकः हलेन क्षेत्रं कर्षति।

4. सम्प्रदान कारक - जिस निमित्त से कोई क्रिया होती है, अर्थात् जिसके लिए कोई क्रिया होती है, 'भा' जिसे दान दिया जाता है, उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं। प्रथा - वह राम के लिए विद्यालय जाता है।

सः रामाय विद्यालयं गच्छति।

राजा भिरवारी को अन्न देता है।

राजा भिरुनाथ अन्नं ददाति।

5. अपादान कारक - "अपाम दानम्" अपादानम्" अर्थात् जहाँ से अलग हो जाता है, उसे अपादान कारक कहते हैं, तथा अपादान कारक में पंचमी विभक्ति का प्रयोग होता है। प्रथा -

राम धर से विद्यालय जाता है - रामः गृहात् विद्यालयं गच्छति।

पेड़ से पत्ते गिरते हैं - वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

6. सम्बन्ध कारक - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी अन्य शब्द के साथ सम्बन्ध या लगाव प्रतीत हो, उसे सम्बन्ध कारक कहते हैं।

प्रथा - दशरथ के चार पुत्र थे - दशरथरूप - चत्वारः पुत्राः आसन् वहाँ मेरा घर है - तत्र मम गृहम् अस्ति।

7. अधिकरण कारक - कर्ता को क्रिया करने का जो आधार होता है, उसे अधिकरण कारक कहते हैं, तथा अधिकरण कारक में सप्तमी विभक्ति का प्रयोग होता है। प्रथा -

लड़के विद्यालय में पढ़ते हैं - बालकाः विद्यालये पठन्ति।
पेड़ पर बन्दर हैं - वृक्षे वानराः सन्ति।

8. सम्बोधन कारक - संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने या संकेत करने का भाव पाया जाता है, उसे सम्बोधन कारक कहते हैं। प्रथा - हे प्रभो! मुझे बचाओ - हे प्रभो! मां रक्ष।

~~मां त्राहि मां प्रभो~~
या त्राहि मां प्रभो।

नोट - सम्बोधन कारक में प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है।

प्रथा - हे बालक! तुम धर जाओ।

हे बालक! त्वं गृहं गच्छ।